Armed attacks on groups of Sikhs in Peshawar in Pakistan and in USA

श्री बलविंदर सिंह भुंडर (पंजाब)**:** सर, मैंने कल नोट दिया था। मेरा बहुत ही सीरियस प्वाइंट है कि पाकिस्तान में और अमरीका में जो सिख माइनॉरिटी है, उस पर हमले हो रहे हैं। कभी इनके मर्डर पाकिस्तान में हो जाते हैं और कभी अमरीका में हो जाते हैं। कभी सिख अफगानिस्तान से उठकर यहां आते हैं, लेकिन उनको अभी तक यहां की सिटिजनशिप नहीं मिली है। ये जो इस प्रकार के हालात माइनॉरिटी के लोगों के साथ हो रहे हैं, यह बहुत सीरियस बात है। सर, मैं आपके जरिए प्राइम मिनिस्टर साहब से विनती करूंगा कि हमारे पाकिस्तान के साथ अच्छे रिलेशन बन रहे हैं, इसलिए मैं यह चाहूंगा कि ये रिलेशन और अच्छे बनें। हमारे रिलेशन अमरीका के साथ भी अच्छे हैं। हमें उनसे इस बारे में बात करनी चाहिए। हमारे यहां तो पहले ही आबादी इतनी ज्यादा है, आप इनको तो संभाल नहीं सकते, अगर और लोग वहां से उठकर यहां आएंगे, तो आप उनको कैसे संभालेंगे? यह सिख कौम जो इतनी बहादुर है, इसने हर टाइम पर देश की रक्षा की है। पहले 1947 की डिविजन में हम उखड़े थे, जिसमें पन्द्रह-बीस लाख लोग यहां आए थे, अब और उखड़ने के लिए तैयार हैं। इसलिए मैं आपके जरिए सरकार से विनती करूंगा कि इनको प्रोटेक्शन दी जाए, प्राइम मिनिस्टर साहब उनसे बात करें, ताकि ये जो हमले हो रहे हैं, ये जो हेट क्राइम हो रहा है, इसको बंद किया जा सके।

श्री के.सी. त्यागी (बिहार)**:** महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश)**:** महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Thank you very much. Now Shri Vijay Goel.

श्री अवतार सिंह करीमपुरी (उत्तर प्रदेश) **:** सर ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You associate with that. Shri Karimpuri associates.

श्री अवतार सिंह करीमपुरी: सर, ...(**व्यवधान**)... मैं इस पर कुछ कहना चाहता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; I have called Mr. Vijay Goel.

श्री अवतार सिंह करीमपुरी: सर, वैरी इम्पोर्टेंट इश्यू है।

श्री उपसभापति: कौन सा इश्यू?

श्री अवतार सिंह करीमपुरी: सर, यही इश्यू है।

श्री उपसभापति: आप बोल दीजिए कि मैं एसोसिएट करता हूं।

श्री अवतार सिंह करीमपुरी: सर, इन्टरनेशनल लेवल पर एट्रोसिटिज हो रही हैं, मर्डर हो रहा है, सिखों का कत्ले-आम हो रहा है, अगर हम इसके लिए सदन में एक मिनट खड़े होकर, ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: एक मिनट हो गया। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट हो गया।

श्री अवतार सिंह करीमपुरी: अगर हम संवेदना व्यक्त नहीं कर सकते तो क्या करेंगे? मेरी यह रिक्वेस्ट है कि आप प्लीज मुझे इस पर बोलने की इजाजत दीजिए। पाकिस्तान के पेशावर शहर में,

अफगानिस्तान में, अमरीका में, इंग्लैंड में और कनाडा में सिखों के साथ निरंतर ज्यादती हो रही है, कत्ले-आम हो रहा है, अत्याचार हो रहा है और नस्ली भेदभाव हो रहा है। हम आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहते हैं कि जो वहां पर हमारी एम्बैसीज़ हैं, वे वहां क्या कर रही हैं और हमारी सरकार सब कुछ क्यों चुपचाप देख रही है? मैं सरकार से यह रिक्वेस्ट करुंगा कि कृपया इसमें सरकार दखल दे और अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके ...(**समय की घंटी**)... दुनिया के किसी भी मुल्क में जहां सिख रह रहे हैं, उनका प्रोटेक्शन एन्श्योर करवाए। धन्यवाद।

श्री उपसभापति: श्री विजय गोयल।

Future of E-Rickshaws in Delhi

श्री विजय गोयल (राजस्थान): उपसभापति जी, मैं सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर दिलाना चाहता हूं। इसमें दो लाख लोगों की रोजी-रोटी का सवाल है। ये लोग दिल्ली से बाहर के प्रदेशों से आए हैं। ये लोग पिछले दिनों से बैटरी ऑपरेटेड ई रिक्शा चला रहे थे। पिछले दस दिनों से इनके घरों में चूल्हा नहीं जला है, क्योंकि इनके ऊपर टोटल प्रतिबंध लगा दिया गया है। जब दिल्ली के अंदर सौ रिक्शे आए थे, तब इनको किसी ने नहीं रोका, जब ये हजार हुए, तब किसी ने नहीं रोका, जब दस हजार हुए, तब भी किसी ने नहीं रोका, लेकिन अब, जबकि 1 लाख से लेकर 2 लाख ई-रिक्शों से लोगों को रोजगार मिल रहा है, तो इन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह प्रतिबंध हाई कोर्ट के द्वारा लगाया गया है। मैं चाहता हूं कि सरकार इस पर ध्यान दे और जब तक हाई कोर्ट में कोई निश्चित फाइनल फैसला हो, उससे पहले इनको कोई temporary relief मिलना चाहिए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Delhi Government has to approach the High Court.

श्री विजय गोयल: उपसभापति जी, हाई कोर्ट की बात इसलिए नहीं है क्योंकि इस बीच में यह मैसेज आया था कि जब तक कोई फैसला हो, तब तक सरकार इस बात के लिए प्रयत्न करे कि इनको temporary लाइसेंस दे दिया जाए, इनका रजिस्ट्रेशन कर दिया जाए, क्योंकि यह रोजी रोटी का सवाल है और इससे लाखों परिवार जुड़े हैं। ये सभी लोग बाहर से यहाँ इसलिए भी आए, क्योंकि इनको लगता था कि ये यहाँ पर रोजगार ढूंढ लेंगे। सरकार ने इसकी दो कमेटीज़ भी बनाई हैं, लेकिन वे कमेटीज़ अभी तक उसके रूल्स एंड रेग्युलेशन्स फाइनल नहीं कर पाई हैं। मैं यह गुहार लगाना चाहता हूं कि इस समस्या का तुरंत कोई temporary हल निकालना चाहिए। मैं आपके समक्ष यही बात रखना चाहता हूं कि इन लोगों के ऊपर बहुत मुसीबत आई हुई है।

SHRI K. N. BALAGOPAL (Kerala): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI T.K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करती हूं।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री अवतार सिंह करीमपुरी (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री रामदास अठावले (महाराष्ट्र): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।